तकनीक ने दिखाई ताकत: समुद्र में 2.4 किमी नीचे गया रोबोट, दिखा 400 साल पहले डूबा जहाज

विशेष रोबोट ने कैमरा फीड नेविगेशन और रोबोटिक पिंसर का उपयोग करके डूबे हुए जहाज के मलबे में अपना रास्ता बनाया

● वाशिंगटन / राज न्यूज नेटवर्क

इंसान समुद्र में जा सकता है, लेकिन एक निश्चित गहराई तक। डीप सी यानी गहरे समुद्र में इंसान का उतरना मुश्किल और नामुमकिन है। समुद्र में जहाजों के डूबने की कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें से अधिकतर के अवशेष आज तक नहीं मिले हैं। अब इस दिशा में तकनीक ने बड़ी प्रगति पाई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 400 साल पहले भूमध्य सागर में डूबे एक जहाज तक पहुंचने के लिए रिमोट-पावर्ड रोबोट, 2.4 किमी गहराई में उतर गया। उस रोबोट को समुद्र में तैर रहे एक जहाज से कंट्रोल किया गया। रोबोट ने कैमरा फीड नेविगेशन और रोबोटिक पिंसर का उपयोग करके डूबे हुए जहाज के मलबे में अपना रास्ता बनाया और हाई-क्वॉलिटी तस्वीरें लीं। रोबोट ने मलबे से कुछ पुरानी चीजों को भी स्कैन किया। इंटरेस्टिंग इंजीनियरिंग ने इस बारे में रिपोर्ट प्रकाशित की है। जानकारी के अनुसार, इस मिशन को फ्रांसीसी नेवी और पुरातत्वविदों ने मिलकर चलाया जिसका नाम ''कैमराट 4'' था। बताया जाता है कि रोबोट समुद्र में उस गहराई तक पहुंचा जहां हाई प्रेशर और अंधेरे के कारण इंसान नहीं पहुंच सकते।

कैसा पहुंचा समुद्र के अंदर

रोबोट को समुद्र की गहराई तक पहुंचाने के लिए वायर्ड सिस्टम का इस्तेमाल किया गया। रोबोट को 1 घंटा लगा समुद्र में ढाई किलोमीटर नीचे पहुंचने में। नीचे पहुंचने के बाद रोबोट ने मलबे को स्कैन किया। हाई-रेजॉलूशन इमेजेस लीं और वहां बिखरे सामान की जांच की।

जहाज के मलबे को नुकसान नहीं

इस पूरे मिशन के दौरान जहाज के मलबे को कोई नुकसान नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, रोबोट ने हजारों फोटोज क्लिक कीं। तकनीक ने इस पूरे मिशन को आसान बना दिया। गहरे समुद्र में अंधेरा और तापमान बहुत कम होता है। वहां इंसान नहीं पहुंचता और इंस्ट्रूमेंट्स भी फेल हो जाते हैं। लेकिन रोबोट अपना काम मजबूती के साथ कर गया। जो सिस्टम रोबोट में लगा था, उसने हर सेकंड 8 फोटो लीं। रोबोट द्वारा ली गई तस्वीरों से 3डी मॉडल बनाए जाएंगे। कहा जाता है कि डूबा हुआ जहाज एक कर्मर्शियल जहाज था। इतिहास में 16वीं शताब्दी के कर्मशियल जहाजों के बारे में डिटेल्ड जानकारी नहीं है। इस दिशा में रोबोट द्वारा ली गई तस्वीरें कामयाब हो सकती हैं।

▶ खामेनेई बोले, यूएस ठिकाने खुद सुरक्षित नहीं, वो दूसरों को क्या बचाएंगे

ईरान ने कहा- न्यूक्लियर प्रोग्राम को किसी भी हाल में नहीं छोड़ेंगे

● तेहरान / राज न्यूज नेटवर्क

ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने एक बयान जारी कर कहा कि उनका देश अपनी परमाणु और मिसाइल क्षमता से किसी भी हाल में पीछे नहीं हटेगा। उनका यह लिखित बयान ईरान के सरकारी टीवी पर पढ़कर सुनाया गया।

खामेनेई ने कहा कि ईरान अपनी परमाणु और मिसाइल ताकत को देश की संपत्ति मानता है और हर हाल में उसकी रक्षा करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हॉर्मुज स्ट्रेट में अब एक नया दौर शुरू हो गया है, जो आगे चलकर इलाके में शांति, तरक्की और आर्थिक फायदा लाएगा। खामेनेई ने कहा कि अमेरिका के सैन्य ठिकाने (बेस) इतने कमजोर हैं कि वे खुद की सुरक्षा भी ठीक से नहीं कर सकते। ऐसे में वे इस इलाके के दूसरे देशों को सुरक्षा देने का दावा कैसे कर सकते हैं।

1. अमेरिका ईरान युद्ध पर पिछले 2 महीने में अब तक 25 अरब डॉलर खर्च कर चुका है। अमेरिका ने पहली बार जंग में हुए खर्च की जानकारी दी है।

2. ट्रम्प ने राइफल के साथ फोटो पोस्ट कर ईरान को चेतावनी दी। फोटो पर लिखा था- नो मोर मिस्टर नाइस गाइ (मैं नरमी नहीं बरतूंगा)।

3. ईरान ने संयुक्त राष्ट्र में शिकायत कर अमेरिका पर जहाज जब्त करने और 38 लाख बैरल तेल कब्जाने का आरोप लगाया।

4. यूएस से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया कि युद्ध, विस्थापन और आर्थिक दबाव के कारण लेबनान में 12 लाख से ज्यादा लोग खाद्य संकट झेल सकते हैं।

5. विदेश मंत्री एस. जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने युद्धविराम, द्विपक्षीय रिश्तों और क्षेत्रीय हालात पर फोन पर चर्चा की।

ईरान जब तक एटमी हथियार बनाने की जिद्द नहीं छोड़ता तब तक नाकेबंदी: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को ईरान को परमाणु समझौते की शर्तों पर सहमत होने की चेतावनी देते हुए कहा है कि ऐसा न होने पर अमेरिका उसके बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखेगा और आर्थिक दबाव बढ़ाएगा। ट्रम्प ने दोहराया कि यदि ईरान एटमी हथियार बनाना जारी रखता है, तो उसके साथ कभी कोई करार नहीं होगा। दूसरी ओर, ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल नागरिक उद्देश्यों के लिए है।

ईरान जंग से जुड़े अपडेट्स

ईरानी सुप्रीम लीडर की सेहत पर सस्पेंस, टीवी पर बयान पढ़ा गया। ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर अब भी साफ जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम लीडर बनने के बाद से वह कभी भी सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए हैं। उन्होंने अब तक कोई वीडियो या ऑडियो संदेश भी जारी नहीं किया है। उनके सभी बयान हमेशा लिखित रूप में आते हैं, जिन्हें सरकारी टीवी पर पढ़कर सुनाया जाता है। ईरान में लोग मानते हैं कि ऐसा सुरक्षा कारणों से किया जाता है। अमेरिका और इजरायल की तरफ से टॉप लीडर को निशाना बनाने की नीति (डिकैपिटेशन पॉलिसी) का खतरा माना जाता है, इसलिए उनकी सुरक्षा को लेकर काफी सख्ती बरती जा रही है। हालांकि, इस मुद्दे पर अलग-अलग दावे भी सामने आ रहे हैं।

होर्मुज से भारतीय जहाजों के गुजरने पर रोक नहीं: ईरान

नई दिल्ली, भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहाली ने कहा है कि संघर्ष के बावजूद ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सहित सभी दोस्त देशों के जहाजों पर किसी तरह की रोक नहीं है। एक इंटरव्यू में फतहाली ने कहा कि जो देश ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल की कार्रवाई में शामिल नहीं हैं, उनके जहाज सामान्य तरीके से होर्मुज से गुजर सकते हैं। कई भारतीय जहाज इस रास्ते से गुजर भी चुके हैं। उन्होंने चाबहार पोर्ट को रीजनल कनेक्टिविटी के लिहाज से बेहद अहम बताते हुए कहा कि यह परियोजना लगातार आगे बढ़ रही है और कभी रुकी नहीं है। फतहाली के मुताबिक चाबहार-जोहेदान रेलवे लाइन का लगभग 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है और जल्द ही रेल लाइन बिछाने का काम खत्म हो जाएगा। फतहाली ने यह भी कहा कि ईरान में रहने वाले करीब 10 हजार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तय करना सरकार की प्राथमिकता है।

जून से अगस्त के बीच होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

नई दिल्ली, आरएनएन। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि कैलाश मानसरोवर यात्रा इस वर्ष जून से अगस्त तक दो मार्गों - उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रा और सिक्किम में नाथू ला - के माध्यम से आयोजित की जाएगी। चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की तीर्थयात्रा हिंदुओं के साथ-साथ जैन और बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए भी धार्मिक महत्व रखती है।

भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों के तहत लगभग पांच वर्षों के अंतराल के बाद यह यात्रा पिछले वर्ष पुनः शुरू हुई। कोविड महामारी के कारण इस यात्रा को पहले 2020 में स्थगित कर दिया गया था और बाद में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर दोनों पक्षों के बीच सैन्य गतिरोध के कारण इसे फिर से स्थगित कर दिया गया।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, विदेश मंत्रालय द्वारा चीनी सरकार के समन्वय से आयोजित कैलाश मानसरोवर यात्रा जून से अगस्त के दौरान होगी।

भारत का कोहिनूर लौटा दो...

मेयर जोहरान ममदानी ने ब्रिटिश किंग से कहा

● वाशिंगटन / राज न्यूज नेटवर्क

इस समय ब्रिटेन के किंग चार्ल्स-3 और क्वीन कैमिला अमेरिका में हैं। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में गर्मजोशी से उनका स्वागत किया. इसके बाद वे न्यूयॉर्क आए, तो मेयर जोहरान ममदानी से भी मुलाकात हुई। इससे ठीक पहले, जब ममदानी से पूछा गया कि वह किंग से मिलेंगे तो बस हैलो-हाय करेंगे या कुछ ऐसा है जो आप विशेष रूप से उनके सामने रखेंगे?

इस पर भारतीय मूल के ममदानी ने जो कहा, करोड़ों भारतीय बरसों से डिमांड कर रहे हैं। हां, उन्होंने कहा कि अगर उन्हें किंग से मिलने का अवसर मिलता है, तो वह भारत के कोहिनूर हीरे को वापस लौटाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। न्यूयॉर्क में 9/11 मेमोरियल पर मेयर जोहरान ममदानी की किंग से मुलाकात हुई है। उस समय टीवी पर लाइव तस्वीरों में दिखा कि मेयर और किंग की बातचीत हो रही है। माना जा रहा है कि ममदानी ने कोहिनूर वाली बात उनसे कही होगी. हालांकि, यह कन्फर्म नहीं हो सका। ममदानी ने कोहिनूर को सिर्फ एक हीरा नहीं बल्कि भारत के इतिहास, गौरव और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान हुए अन्याय का प्रतीक बताया है।

ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स-3 और क्वीन कैमिला के अमेरिका दौरे के दौरान न्यूयॉर्क में 9/11 मेमोरियल पर मेयर जोहरान ममदानी से उनकी मुलाकात हुई। इस मौके पर ममदानी ने कहा कि अगर उन्हें राजा से मिलने का अवसर मिलता है, तो वे भारत से जुड़े ऐतिहासिक विवाद कोहिनूर हीरा वापस लौटाने की।

कहानी कोहिनूर की : जिस कोहिनूर की भारत में काफी चर्चा होती है। वह नायाब हीरा आंध्र प्रदेश की खान से निकला था. यह कुछ समय भारतीय शासकों के पास रहा। फिर मुगलों के पास चला गया। आखिर में सिख राजाओं के पास लौट आया. हालांकि, 1849 में दूसरे एंग्लो-सिख युद्ध के दौरान अंग्रेजों ने इसे ले लिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, इन्दौर

प्रधान कार्यालय

क्रमांक : 463/स्थापना/2026-27 — विज्ञप्ति — दिनांक: 29.04.2026

नगर पालिक निगम, इन्दौर में कार्यरत निम्न कर्मचारी की सेवा में रहते दिनांक 25/09/2007 को मृत्यु होने के उपरांत वारिस आश्रित सदस्य को नियमानुसार अनुकंपा नियुक्ति देने संबंधी प्राप्त प्रकरण की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :-

क्र.	मृतक कर्मचारी का नाम	मृतक कर्मचारी का पदनाम	मृतक कर्मचारी की मृत्यु पूर्व पदस्थापना	मृतक कर्मचारी के निवास का पता	आवेदक/आवेदिका का नाम जिसने अनुकंपा नियुक्ति हेतु आवेदन दिया है	मृतक के साथ आवेदक का संबंध
1	2	3	4	5	6	7
1	स्व. छोटेलाल पिता गरीबदास	बेलदार	झोन क्र. 01, नगर पालिक निगम, इन्दौर	39/5 कंचनपुरा मक्सी रोड, उज्जैन	श्री आशीष पिता स्व. छोटेलाल बौरासी	पुत्र

उपरोक्तानुसार श्री आशीष पिता स्व. छोटेलाल बौरासी वारिस / सदस्य द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति चाही गई होने से आवेदक की अनुकम्पा नियुक्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई भी आपत्ति हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशन होने के दिनांक से 07 दिवस की अवधि में लिखित में आपत्ति (मूल दस्तावेजों के साथ) अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी। **(अपर आयुक्त द्वारा अनुमोदित)**

उपायुक्त (स्थापना)
नगर पालिक निगम, इन्दौर

> आज का इतिहास
>
> - 1886: अमेरिका में मजदूरों ने आठ घंटे काम करने के हक के लिए राष्ट्रव्यापी हड़ताल की, जिससे मजदूर दिवस की शुरुआत हुई।
> - 1897: स्वामी विवेकानंद ने कोलकाता में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।
> - 1908: प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर बम कांड के बाद खुद को गोली मार ली थी।
> - 1913: प्रसिद्ध हिन्दी फिल्म अभिनेता बलराज साहनी का जन्म।
> - 1923: भारत (चेन्नई) में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया।
> - 1927: हिन्दी के प्रसिद्ध कवि एवं समकालीन आलोचक नामवर सिंह का जन्म।

अमेरिका ने भारत को 657 प्राचीन कलाकृतियां लौटाईं

ये कलाकृतियां तस्करी के जरिए विदेश पहुंचाई

● वाशिंगटन / राज न्यूज नेटवर्क

यूएस ने भारत को 1.4 करोड़ डॉलर मूल्य की 657 प्राचीन कलाकृतियां लौटाई हैं। ये कलाकृतियां तस्करी नेटवर्क के जरिए विदेश पहुंचाई थीं, जिन्हें जांच के बाद बरामद कर वापस किया। मैनहटन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी एल्विन ब्रैग ने मंगलवार को इन कलाकृतियों की वापसी की घोषणा की। ये सभी कलाकृतियां अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क की जांच में बरामद की गईं। जांच में बदनाम आर्ट डीलर सुभाष कपूर और तस्कर नैन्सी वीनर से जुड़े नेटवर्क सामने आए। इन नेटवर्क्स के जरिए भारत समेत कई देशों की सांस्कृतिक धरोहर की चोरी और बिक्री की जाती थी। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में कलाकृतियां लौटाई गईं।

इन सभी की कुल कीमत 485 मिलियन डॉलर से अधिक

भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने यूएस एजेंसियों के सहयोग की सराहना की। लौटाई गई वस्तुओं में 20 लाख डॉलर की अवलोकितेश्वर की कांस्य प्रतिमा शामिल है, जो छग के रायपुर स्थित संग्रहालय से चोरी हुई थी। इसके अलावा मध्य प्रदेश के मंदिर से चोरी की गई नृत्यरत गणेश की मूर्ति भी शामिल है। एक लाल बलुआ पत्थर की बुद्ध प्रतिमा भी वापस की गई है, जिसकी कीमत करीब 75 लाख डॉलर बताई गई।

सांसद ने पूछा- क्या ट्रम्प की दिमागी हालत ठीक है?

वाशिंगटन,आरएनएन। अमेरिका की हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी की सुनवाई के दौरान एक बड़ा राजनीतिक विवाद सामने आया। डेमोक्रेट सांसद सारा जैकब्स ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मानसिक स्थिति को लेकर सवाल पूछ लिया। जैकब्स ने सवाल के दौरान ट्रम्प के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर किए गए हाल के पोस्ट का जिक्र किया और उनकी भाषा की आलोचना की। इसी दौरान उनके पीछे खड़े एक सहायक ने ट्रम्प के पुराने पोस्ट के कटआउट भी दिखाए।

अब श्रीनगर से जम्मू तवी तक चलेगी आधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन

रेल मंत्री ने जम्मू तक विस्तारित सेवा को दिखाई हरी झंडी

● जम्मू / राज न्यूज नेटवर्क

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यहां श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस की जम्मू तक विस्तारित सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, स्थानीय प्रतिनिधि और रेलवे के अधिकारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे। गौरतलब है कि यह ट्रेन पहले श्रीनगर से माता वैष्णो देवी कटरा तक चलती थी, अब श्रीनगर से जम्मू तवी तक चलेगी। इस तरह से देश की सबसे आधुनिक ट्रेन सीधे जम्मू-कश्मीर के सबसे बड़े शहर और रेलवे केंद्र तक पहुँच जाएगी। इस मौके पर वैष्णव कहा कि इस ट्रेन को पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कटरा से हरी झंडी दिखाई थी और यह कटरा से श्रीनगर जाती थी। आज इस ट्रेन की सेवा का विस्तार किया गया है। अब यह ट्रेन जम्मू से श्रीनगर तक बढ़ाई जा रही है। अब कोच संख्या बढ़ाकर 20 कर दी गई है।

GRIHUM HOUSING FINANCE — Apna Ghar. Apni Pehchan.

गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय छठा तल, बी बिल्डिंग, गंगा ट्रूनो, लोहेगांव, पुणे, महाराष्ट्र 411014
शाखा कार्यालय इकाई: धन ट्राइडेंट, मंगल सिटी, सर्विस रोड, स्कीम नं. 54, विजय नगर, इंदौर, मध्य प्रदेश - 452010

ई-नीलामी - बिक्री सूचना
सरफेसी अधिनियम के तहत सुरक्षित अचल संपत्तियों का बिक्री

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (''अधिनियम'') के अंतर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 और 9 के साथ पठित।

इसके द्वारा आम जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर(यों) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियां **गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (जिसे अधिनियम के अनुसार आगे ''सुरक्षित लेनदार'' कहा जाएगा)** को गिरवी रखी गई हैं, जिसका कब्जा **अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम के नियम 8 और 9 के साथ पठित, अधिनियम की धारा 13(2) के तहत** सूचना के अनुसरण में सुरक्षित लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है।

सुरक्षित संपत्तियाँ **''जहाँ है जैसी है'', ''जैसी है वैसी है'' और ''जो कुछ भी है'' के आधार पर 03-06-2026** को ई-नीलामी के माध्यम से बेची जाएँगी। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हम **https://www.bankeauctions.com** वेबसाइट पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से सार्वजनिक नीलामी करने जा रहे हैं।

बिक्री की विस्तृत नियम व शर्तों के लिए, कृपया **GHFL**/सुरक्षित ऋणदाता की वेबसाइट **www.grihumhousing.com** पर दिए गए लिंक का संदर्भ देखें।

सं. क्रं.	प्रस्ताव संख्या ग्राहक का नाम (ए)	मांग सूचना तिथि एवं बकाया राशि (बी)	कब्जे की प्रकृति {सी}	संपत्ति का विवरण {डी}	आरक्षित मूल्य (ई)	ईएमडी (आरपी का 10%) (एफ)	ईएमडी जमा करने की तिथि (जी)	वृद्धिशील बोली {एच}	संपत्ति निरीक्षण का दिनांक एवं समय {आई}	नीलामी की तिथि और समय {जे}	ज्ञात भार/न्यायालयीन मामले, यदि कोई हों (के)
1	लोन नंबर HM0135H19100052 राहुल अंजना (कर्जदार) कोमल बाई (सह-कर्जदार)	नोटिस की तारीख: 11-11-2025 कुल बकाया: रू. 1345357/- (तेरह लाख पैंतालीस हजार तीन सौ सत्तावन रुपये मात्र) जो 11-11-2025 तक देय है, साथ ही वसूली होने तक 14.35% प्रति वर्ष की दर से ब्याज भी देय है।	भौतिक	संपत्ति का वह पूरा अंश भाग, जो मकान नंबर 57-ए है; अन्नपूर्णा विस्तार कॉलोनी, ग्राम कोदरिया, तहसील महू, जिला इंदौर (म.प्र.) में स्थित है, और जिसका क्षेत्रफल 750 वर्ग फुट है। इसके साथ ही सभी चल संपत्ति और प्राप्तियां, इस पर बनी सभी मौजूदा इमारतें और संरचनाएं, और ऐसी इमारतें और संरचनाएं जो संबंधित बंधक की तारीख से या उसके बाद किसी भी समय इस पर बनाई/निर्मित की जा सकती हैं; तथा इसमें किए गए सभी अतिरिक्त निर्माण, और सभी फिक्स्चर और फर्नीचर जो जमीन से जुड़े हैं या जमीन से जुड़ी किसी भी चीज से स्थायी रूप से बांधे गए हैं—चाहे वे वर्तमान में हों या भविष्य में—और **जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं**: पूर्वः प्लॉट नंबर 40; पश्चिमः कॉलोनी की सड़क; उत्तरः प्लॉट नंबर 58; दक्षिणः प्लॉट नंबर 57। मापः उत्तरी तरफ पूर्व से पश्चिम: 50 फुट; दक्षिणी तरफ पूर्व से पश्चिम: 50 फुट; पूर्वी तरफ उत्तर से दक्षिण: 15 फुट; पश्चिमी तरफ उत्तर से दक्षिण: 15 फुट। कुल क्षेत्रफल = 750 वर्ग फुट (69.70 वर्ग मीटर)।	रू. 14,86,275.00/- (केवल चौदह लाख छियासी हजार दो सौ पचहत्तर रुपये)	रू. 1,48,627.50/- (केवल एक लाख अड़तालीस हजार छह सौ सत्ताईस रुपये और पचास पैसे मात्र)	02-06-2026 शाम 5 बजे से पहले	10,000/-	19-05-2026 (सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक)	03-06-2026 (सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)	निरंक
2	लोन नंबर HI00615100000005017697 राज कौशल (कर्जदार) राजेंद्र कौशल (सह-कर्जदार) पंकज भीमसिंह कौशल राधा बाई रूपा	नोटिस की तारीख: 11-11-2025 कुल बकाया: रू. 837254/- (आठ लाख सैंतीस हजार दो सौ चौवन रुपये मात्र) जो 11-11-2025 तक देय है, साथ ही वसूली होने तक 13.35% प्रति वर्ष की दर से ब्याज भी देय है।	भौतिक	अचल संपत्ति का वह पूरा अंश भाग, जो प्लॉट नंबर 14-ए है, शताब्दीपुरम कॉलोनी, ग्राम कोदरिया, तहसील डॉ. अंबेडकर नगर (महू), जिला इंदौर (म.प्र.) में स्थित है। इसका क्षेत्रफल 800 वर्ग फुट (74.34 वर्ग मीटर) है, **और इसकी सीमाएं इस प्रकार हैं; सीमाएं:-** पूर्व में या उसकी ओर: प्लॉट नंबर 14; पश्चिम में या उसकी ओर: रास्ता; उत्तर में या उसकी ओर: प्लॉट नंबर 13-ए; दक्षिण में या उसकी ओर: प्लॉट नंबर 15-ए	रू. 9,38,000.00/- (केवल नौ लाख अड़तीस हजार रुपये)	रू. 93,800.00/- (केवल तिरानबे हजार आठ सौ रुपये)	02-06-2026 शाम 5 बजे से पहले	10,000/-	19-05-2026 (सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक)	03-06-2026 (सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)	निरंक
3	लोन नंबर HL00615100000005041152 राजेश मोर्य (कर्जदार) अनारी बाई (सह-कर्जदार)	नोटिस की तारीख: 11-11-2025 कुल बकाया: रू. 1346720/- (तेरह लाख छियालीस हजार सात सौ बीस रुपये मात्र) जो 11-11-2025 तक देय है, साथ ही वसूली होने तक 12.85% प्रति वर्ष की दर से ब्याज भी देय है।	भौतिक	संपत्ति का वह पूरा अंश भाग, जो प्लॉट नंबर सी-511 का उत्तरी भाग है, "श्रीनाथ टाउन", ग्राम भाटखेड़ी, तहसील महू और जिला इंदौर में स्थित है, और जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग फुट है। **प्लॉट की सीमाएँ:-** पूर्व- प्लॉट नंबर सी-500 पश्चिम- कॉलोनी रोड उत्तर- प्लॉट नंबर सी-512 दक्षिण- उक्त जमीन का शेष भाग	रू. 13,58,000.00/- (केवल तेरह लाख अट्ठावन हजार रुपये)	रू. 1,35,800.00/- (केवल एक लाख पैंतीस हजार आठ सौ रुपये)	02-06-2026 शाम 5 बजे से पहले	10,000/-	19-05-2026 (सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक)	03-06-2026 (सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)	निरंक
4	लोन नंबर HL00629100000005045266 सुदामा मंडलेकर (कर्जदार) भावना सुदामा प्रसाद (सह-कर्जदार)	नोटिस की तारीख: 10-09-2025 कुल बकाया: रू. 10,02,020/- (दस लाख दो हजार बीस रुपये मात्र) जो 10-09-2025 को देय हैं। वसूली होने तक 13.35% प्रति वर्ष की दर से ब्याज सहित।		अचल संपत्ति का वह पूरा अंश भाग, जो प्लॉट नंबर 405 (06 फीट) का उत्तरी भाग और प्लॉट नंबर 406 (06 फीट) का दक्षिणी भाग हैं, सर्वे नंबर 66/1/2/1, पी.एच. नंबर 58/117, वार्ड नंबर 28, ग्राम बागदुन, तहसील पीथमपुर, जिला धार (म.प्र.), क्षेत्रफल 480 वर्ग फीट, और **जिनकी सीमाएँ इस प्रकार हैं: - सीमाएँ:-** मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार। पूर्व में - प्लॉट नंबर 357 और 358; पश्चिम में - साझा सड़क; उत्तर में - प्लॉट नंबर 406 का शेष भाग; दक्षिण में - प्लॉट नंबर 405 का शेष भाग	रू. 10,33,200.00/- (केवल दस लाख तैंतीस हजार दो सौ रुपये)	रू. 1,03,320.00/- (केवल एक लाख तीन हजार तीन सौ बीस रुपये)	02-06-2026 शाम 5 बजे से पहले	10,000/-	19-05-2026 (सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक)	03-06-2026 (सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)	निरंक

इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को सलाह दी जाती है कि वे सुरक्षित ऋणदाता शाखा और नीलामी संपत्तियों पर जाएँ, अपनी स्वयं की जाँच करें और अतिरिक्त शुल्क, भार और किसी भी तृतीय-पक्ष के हितों का पता लगाएँ और बोली जमा करने से पहले सभी पहलुओं से स्वयं संतुष्ट हो लें। संपत्ति कर, बिजली/पानी के बिल और संपत्ति से जुड़े अन्य सभी बकाया, यदि कोई हों, जैसे सभी वैधानिक बकाया, सफल बोलीदाता द्वारा पता लगाकर चुकाए जाने चाहिए।
इच्छुक बोलीदाताओं को पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत करना होगा और नीलामी सेवा प्रदाता (सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) पता- प्लॉट संख्या-68, तीसरी मंजिल, गुड़गांव, हरियाणा-122003। हेल्पलाइन नंबर-7291981124,25,26 सहायता ईमेल आईडी-Support@bankeauctions.com, **संपर्क व्यक्ति-धरणी पी, ईमेल आईडी-dharani.p@c1india.com संपर्क नंबर-9948182222** से लॉगिन आईडी और पासवर्ड, जो ई-बोली के लिए अनिवार्य है, पहले ही प्राप्त कर लेना चाहिए। कृपया ध्यान दें कि संभावित बोलीदाता तभी से ई-नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक खरीदार/बोलीदाता को बयाना राशि (ईएमडी) जमा करनी होगी। एनईएफटी/आरटीजीएस ''गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड-नीलामी आय खाता,'' बैंक-आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड खाता संख्या-091551000028 और आईएफएससी कोड- ICIC0000915, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, पंचशील टेक पार्क, गणपति चौक के पास, 43/44, विमन नगर-411014 के खाते में किसी भी राष्ट्रीयकृत या अनुसूचित बैंक से **02-06-2026 को या इससे पहले** जमा करें और https://www.bankeauctions.com पर अपना नाम पंजीकृत करें और निःशुल्क यूज़र आईडी और पासवर्ड प्राप्त करें और सेवा प्रदाता से ई-नीलामी का प्रशिक्षण प्राप्त करें। वेबसाइट पर पंजीकरण के बाद, इच्छुक क्रेता/बोलीदाता को निम्नलिखित दस्तावेजों की प्रतियां ई-मेल पर अपलोड करवानी होंगी और स्व-सत्यापित हार्ड कॉपी पते पर भेजनी होगी: **पता: प्रथम तल विक्रम टॉवर, महू-नीमच रोड, पीथमपुर, मध्य प्रदेश - 454775 मोबाइल नंबर +91 8281138143 ई-मेल आईडी p.adith@grihumhousing.com**
नियमों और शर्तों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया ई-नीलामी में भाग लेने के लिए https://www.bankeauctions.com और www.grihumhousing.com पर जाएँ।
इस सूचना को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम-2002 के नियम 8(6) के अंतर्गत ऋणी/सह-ऋणी/बंधककर्ता/गारंटर को 30 (तीस) दिन का नोटिस भी माना जाना चाहिए।
किसी भी मामले में यदि स्थानीय भाषा के प्रकाशन और अंग्रेजी समाचार पत्र प्रकाशन की सामग्री में कोई अंतर है, तो फ्री प्रेस जर्नल में प्रकाशित अंग्रेजी समाचार पत्र भाषा की सामग्री मान्य होगी।

दिनांक: 01.05.2026 स्थान: इंदौर, मध्य प्रदेश — **हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड**